



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 189]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्तूबर 19, 1995/आश्विन 27, 1917

No 189]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 19, 1995/ASVINA 27, 1917

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर, 1995

विषय :—जापान से एन.बी.आर. के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच—अंतिम निष्कर्ष ।

सं. 25/एडीडी/94 :—भारत सरकार ने सन् 1982 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और तत्संबंधी सीमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क की पहचान, निर्धारण तथा संग्रहण और क्षति) निर्धारण के लिए नियमावली, 1985 को ध्यान में रखते हुए

क्रिया विधि

2. नीचे उल्लिखित क्रियाविधि का अनुसरण किया गया :—

(1) उपर्युक्त नियमावली के अंतर्गत परिभाषित नामित प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) को मैसर्स गुजरात अपार पोलिमर्स लि., मेकर चैम्बर्स 111, पहली मंजिल, जमनालाल बजाज रोड, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-400021 से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई जिसमें जापान मूल के एनबीआर की डंपिंग का आरोप लगाया गया है ।

(2) नामित प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची 1 के शीर्ष 4002.59 तथा भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलित वस्तु विवरण तथा कोडिंग प्रणाली पर आधारित) के शीर्ष 4002.59.00 के अधीन आने वाले जापान मूल के एनबीआर के आयात के संबंध में पाटनरोधी कार्यवाही शुरू किए जाने हेतु भारत के राजपत्र असाधारण में दिनांक 28-10-1994 को मार्चनिक सूचना जारी की थी ।

(3) प्राधिकारी ने ज्ञात संशोधन निर्यातकों तथा आयातकों, निर्यातक देश के प्रतिनिधियों तथा शिकायतकर्ता को पाटन-रोधी जांच शुरू करने के संबंध में औपचारिक रूप से सूचित किया और उन्हें इस बात के लिए मौका दिया था कि वे अधिसूचना की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित रूप में अपने-अपने विचार प्रकट करें और सुनवाई के लिए अनुरोध करें ।

(4) प्राधिकारी ने निम्नलिखित निर्यातकों को संगत जानकारी प्राप्त करने के लिए उन्हें प्रश्नावली भेजी थी :—

1. मैसर्स जापान मिथेटिक रबड़ कं., जापान
2. मैसर्स निप्पन कं. लि., जापान

(5) नई दिल्ली स्थित जापान के दूतावास को भी जांच की शुरुआत के बारे में 28 अक्टूबर, 1994 को सूचित किया गया था तथा उनसे अनुरोध किया गया था कि वे जापान के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें कि वे उन्हें भेजी गई प्रश्नावली का निर्धारित समय तक उत्तर भेज दें।

(6) नई दिल्ली स्थित जापान के दूतावास ने जापान के निर्यातकों के नामों तथा पत्तों की जानकारी चाही थी जिसके बारे में उन्हें 10-11-1994 को सूचित कर दिया गया था।

(7) एनबीआर के निम्नलिखित आयातकों को भी प्रश्नावली भेजी गई थी:—

1. मैसर्स मितसुई एंड कं. लि., बम्बई।
2. मैसर्स मितसुबिशी कारपोरेशन, बम्बई।

(8) दिनांक 3 फरवरी, 1995 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्त्ताओं तथा अन्य इच्छुक पार्टियों को इस बात का मौका दिया गया था कि वे अपने-अपने विचार व्यक्त करें। उक्त सार्वजनिक सुनवाई में याचिकाकर्त्ता घरेलू उद्योग, मैसर्स मितसुबिशी कारपोरेशन, बम्बई के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मैसर्स बम्बई कैमिकल्स एंड रबड़ प्रोडक्ट्स लि. ने भी, निर्यातक मैसर्स जापान सिंथेटिक रबड़, जापान को ओर से, सुनवाई में भाग लिया।

निम्नलिखित इच्छुक पार्टियों ने भी इस सार्वजनिक सुनवाई में भाग लिया:—

1. अखिल भारत रबड़ विनिर्माता संघ, दिल्ली
2. मैसर्स गोल्डन रोल्ड प्रा. लि., नई दिल्ली
3. मैसर्स पोलीप्लास एसोसिएट्स
4. मैसर्स शार्प इंटरनेशनल
5. मैसर्स पी ई इंटरनेशनल
6. मैसर्स एफ ओ सी एल
7. मैसर्स सुजान ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज
8. मैसर्स कम्मीर रबड़ मिल्स
9. मैसर्स पोली राब एक्स्ट्रूजन, बम्बई
10. मैसर्स कैररोसन इजी.
11. मैसर्स रिशी रोल पोलिमर्स प्रा. लि.
12. मैसर्स कस्तूरी इंटरनेशनल

(9) उक्त सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाली सभी पार्टियों को सलाह दी गयी थी कि वे जांच के संबंध में सार्वजनिक सुनवाई की अन्य पार्टियों से प्रति टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए लिखित रूप में अपनी टिप्पणी दें। पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए लिखित निवेदन अन्य पक्ष (पक्षों) को, उनकी टिप्पणियों के लिए, उपलब्ध कराए गए।

(10) निर्यातकों, आयातकों, अन्य इच्छुक पार्टियों, और याचिकाकर्त्ताओं को नए प्राधिकारी द्वारा 12-6-1995 को हुई दूसरी सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त करने हेतु

दूसरा मौका दिया गया। इस सार्वजनिक सुनवाई में याचिकाकर्त्ता तथा निम्नलिखित ने भाग लिया:—

1. मै. गोल्डन रोल्ड प्रा. लि., दिल्ली।
2. मै. बोम्बे कैमिकल्स एंड रबड़ प्रोडक्ट्स लि., बम्बई।
3. मैसर्स ऑफ इंडिया रबड़ मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन, दिल्ली
4. मै. मितसुबिशी कारपोरेशन।
5. मै. शार्प इंटरनेशनल।
6. मैसर्स पी. ई. इंटरनेशनल
7. एफ ओ सी एल

(11) उक्त सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाली सभी पार्टियों को सलाह दी गयी थी कि वे जांच के संबंध में सार्वजनिक सुनवाई की अन्य पार्टियों से प्रति टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए लिखित रूप में अपनी टिप्पणी दें। पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए लिखित निवेदन अन्य पक्ष (पक्षों) को, उनकी टिप्पणियों के लिए, उपलब्ध कराए गए।

(12) प्राधिकारी ने जांच के लिए आवश्यक समझी गई जानकारी मांगी और उसका सत्यापन किया। इस दिशा में मैसर्स गुजरात अपार पोलिमर्स लि. के परिसर में भी एक जांच की गई।

(13) प्राधिकारी ने लागत जांच की तथा सामान्य रूप में स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों के आधार पर भारत में बनाने और बेचने के लिए अधिकतम उत्पादन लागत तथा लागत तिकाशी जियसे कि यह सुनिश्चित हो सके कि क्या क्षति को दूर करने के लिए डम्पिंग मार्जिन से कम प्रतिपादन शुल्क लगाना पर्याप्त होगा।

(14) इस जांच में 1 अप्रैल, 1993 से 31 मार्च, 1994 तक की अवधि कवर की गई।

(15) प्राधिकारी ने नियम सुपरा के अंतर्गत जांच शुरू की है न कि नियमों के अंतर्गत दिनांक 1-1-1995 से प्रभावी होने वाले नियमों का इन जांचों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्राधिकारी ने इस मामले पर कानूनी राय भी प्राप्त की।

याचिकाकर्त्ता के विचार

3. याचिकाकर्त्ता ने अपनी शिकायत का सारांश फिर से प्रस्तुत किया और मौखिक सुनवाई में निम्नलिखित अनुरोध किए:—

(क) चूंकि याचिकाकर्त्ता द्वारा उत्पादित एन.बी.आर. बाजार में स्वीकार हो गयी थी इसलिए जापान के विनिर्माताओं ने जापान में घरेलू कीमतों की तुलना में काफी कम कीमतों पर भारत में एन. बी. आर. को डम्प करना शुरू कर दिया था;

(ख) जापान के विनिर्माताओं द्वारा एन.बी.आर. की डंपिंग के कारण याचिकाकर्त्ता को बहुत

अधिक क्षति हुई जिसके फलस्वरूप विद्यमान क्षमता का अल्प उपयोग हुआ और काफी अधिक हानियाँ हुई ।

(ग) याचिकाकर्ता, जिनके पास अच्छे अर्हताप्राप्त तथा अनुभव तकनीकी कार्मिक हैं, अंतर्राष्ट्रीय मानदण्डों की गुणवत्ता नियंत्रण प्रणालियों तथा क्रियाविधियों का अनुमग्न करता है और उन्हें मुवक्तियों से बार-बार आर्डर प्राप्त करता है इनके एन बी आर निर्यातों में वृद्धि हो रही है तथा यदि एन.बी.आर. के घरेलू विनिर्माता मौजूद रहते हैं तो राष्ट्र के हितों की रक्षा होगी ।

(घ) याचिकाकर्ता ने जांच के संबंध में विभिन्न पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत की, जिन पर इन निष्कर्षों को अधिगुचित करने समय प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है ।

निर्यातकों के विचार

4. जापान के दो निर्यातकों ने जांच के शुरू होने पर प्राधिकारी द्वारा भेजी गई निर्धारित प्रश्नावली में कोई उत्तर नहीं दिया । तथापि, दोनों निर्यातकों ने अपने 14-12-1994 के पत्रों द्वारा निम्नलिखित विचार व्यक्त किए :-

(क) उनके द्वारा भारत को एन बी आर की ऑफर की गई कीमतें वहीं हैं जो मानक कीमतें उन्होंने अन्य देशों को ऑफर की है ।

(ख) एन बी आर की निर्यात कीमतों से समय-समय पर परिवर्तन होता रहता है जो विश्व की एक्रिलोनीट्राइल मोनोमर कीमत तथा ब्यूटाडिन मोनोमर कीमत, विनियम दरों, समुद्र-भाड़ा, बाजार कीमतें आदि आदि पर निर्भर करता है ।

(ग) इस अवधि के दौरान भारतीय बाजार का अन्य आपूर्तिकर्ताओं ने बहुत ही कम कीमतों की पेशकश की थी ।

(घ) निर्यातकों ने सुना था कि भारत में ग्राहक गुणवत्ता के कारण उनके उत्पादों को वरीयता देने हैं,

(ङ) यदि जापान से सामग्री उपलब्ध नहीं होती है, तो भारत में कुछ उपभोक्ता मुश्किल में पड़ जाएंगे ।

(च) याचिकाकर्ता का एकाधिपत्य है । निर्यातकों में से एक निर्यातक अर्थात् जापान सिंथेटिक रबड़, कंपनी, जापान ने मैसर्स बम्बई कैमिकल्स एंड रबड़ प्रोडक्ट्स लि., बम्बई (जिसे इसके बाद बम्बई कैमिकल्स के नाम से जाना जाएगा) को संबोधित तथा मैसर्स बम्बई कैमिकल्स के साथ अनुबद्ध दिनांक 17-2-1995 के अपने पत्र द्वारा प्राधिकारी को अपना निवेदन प्रस्तुत किया तथा ये विचार व्यक्त किए :-

(क) डंपिंग करने के अपने साक्ष्य में याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई घरेलू कीमत "दि कैमिकल डेली" के आंकड़ों पर आधारित है जोकि उनके छोटे ग्राहकों के लिए होते हैं ;

(ख) घरेलू बाजार में विश्वी के मामले में निर्यातक को किसी भी समय माल को डिलीवर करना पड़ता है चाहे वह आर्डर थोड़ी मात्रा के लिए ही क्यों न हो, उनके पास जाना जल्दी-जल्दी पड़ता है, अपने तकनीकी कार्मिकों को भेजना पड़ता है, प्रयोगशाला में अनुसंधान और विकास करना पड़ता है तथा प्रत्येक ग्राहक के लिए विशेष एन.बी.आर. श्रेणियाँ को विकसित करना होता है ।

इसके अलावा जापान के घरेलू बाजार में बिक्री अनेक एजेंटों के मार्फत होती है जो कि ज्यादा खर्चीली व्यवस्था है । निर्यातक ने आगे यह भी बताया है कि घरेलू बाजार के लिए कीमत में उपयुक्त खर्च भी शामिल किए जाने चाहिए ।

आयातकों तथा अन्य हितवद्ध पक्षकारों के विचारार्थ

6. आयातकों तथा अन्य विभिन्न हितवद्ध पक्षकारों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं, जो संक्षेप में निम्नलिखित हैं :-

(क) यह जांच भारत सरकार की अधिसूचना संख्या 2/95 कम(एन.टी०) के अन्तर्गत प्रकाशित नियमों के अनुसार की जानी चाहिए ।

जांच शुरू करने से पहले जापान सरकार को सूचित नहीं किया गया है ।

कानून के अधिकथित प्रावधानों का प्रयोग जारी रखने तथा अधिसूचित नियमों के अन्तर्गत जांच जारी रखने के लिए कोई वैध प्राधिकार नहीं है ।

(ख) याचिका द्वारा विनिर्मित एन.बी.आर. का न तो जापान से निर्यातित एम.बी.आर. के समकक्ष रखा जा सकता है और न ही इसे उसी श्रेणी की "वैसी ही श्रेणी" में रखा जा सकता है ।

(ग) दिनांक 6-9-93 वाणिज्य दूतावास का पत्र इस बात के लिए कोई आधार दान नहीं करता है कि जापान में कीमतें 3000 अमरीकी डालर से 4000 अमरीकी डालर प्रति एम.टी. के बीच में है ।

(घ) याचिकाकर्ता ने सितम्बर, 1993 में प्रचलित विनियम दर के बजाए सितम्बर, 1994 में प्रचलित विनियम दर प्रयुक्त की ।

(ङ) जापान की निर्यात कीमत अन्य देशों के लिए एक समान है ।

(च) खास घरेलू बाजार दशाएं जैसे मंहगा जीवन, अधिक मंहगी सेवाएं, विपणन पद्धति विशेष पैकिंग, विशेष फार्मुलेशन, बड़ा हुआ लम्बा ऋण आदि जापान में प्रचलित है ।

(छ) जापान से एन.बी.आर. का कुल आयात हाल के वर्षों में अधिक नहीं बढ़ा है ।

(ज) जापान का एन.बी. आर. उन्कृष्ट श्रेणी का है।
 (झ) ग्राहकों के लिए आयातित एन. बी. आर. की वर्तमान कीमत 111 रुपया प्रति कि.ग्रा. पड़ती है जो याचिकाकर्ता की बिज्जी कीमत 96 रुपया प्रति कि.ग्रा. से अधिक मंहगी है।

(ञ) याचिकाकर्ता को आयातित कच्चा माल रियायती दरों पर प्राप्त हुआ साथ ही आयातित एन.बी.आर. पर दिए जा रहे 65% शुल्क के बजाए 15 प्रतिशत शुल्क पड़ा है।

(ट) याचिकाकर्ता क्षति स्थापित करने में असफल रहा।

(ठ) याचिकाकर्ता को वास्तविक क्षति, यदि कोई हो सकती है तो, वह सीमा शुल्क में कमी के कारण हो सकती है।

(ड) अधिकतर आयात डी ई ई सी स्कीम के अन्तर्गत होंगे, के कारण यह समझ में नहीं आता है कि याचिकाकर्ता को क्षति कैसे हुई।

(ण) याचिकाकर्ता पर सामान्यतः अपनी परियोजनाओं के अनुप्रयुक्त आकार, विनिर्माण के लिए उत्पादों का चमड़ा एवं गुणवत्ता, इसकी अनुसंधान एवं विकास सुविधा इसका स्थान, उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनने गुणवत्ता बनाए रखने की उत्सुकता तथा इसके लागत ढांचे के प्रति उच्च लापरवाही बरतने का दोषी ठहराया जा सकता है।

(त) याचिकाकर्ता की क्षमता उपयोग लगभग 50% है क्योंकि इसकी क्षमता एवं उत्पादन क्रमशः 5000 तथा 2500 एम.टी. है।

(थ) याचिकाकर्ता संपूर्ण उपभोक्ता उद्योग की मात्रा को पूरा करने में सक्षम नहीं है जो लगभग 10000 एम.टी. है।

(द) वर्तमान सी आई एफ देशों में कीमतें बहुत अधिक हैं।

(ध) जापान से समग्र निर्यात की मात्रा तथा 60% स्वदेशी जरूरत को पूरा करने के बाद निर्यात के लिए उपलब्ध मात्रा पर विचार करते हुए, यह निष्कर्ष निकालना अनुचित एवं गैर तर्क संगत है कि जापान से आयात की मात्रा में कुछ आकस्मिक परिवर्तन आएगा जिससे कोई तात्कालिक क्षति होगी।

(न) याचिकाकर्ता के एन.बी.आर. की क्वालिटी बहुत निम्न श्रेणी की है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

7. निर्यातक द्वारा सीधे एवं भारत में स्थित अपने एजेंटों के जरिए, आयातकों द्वारा किए गए आत्मनिवेदन से याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों की जांच की गई तथा इन निष्कर्षों पर पहुंचने से पहले विचार किया गया और उनका इन निष्कर्षों में उचित स्थानों पर उल्लेख किया गया है।

8. किसी भी निर्यातक द्वारा विनिर्धारित प्र पत्र में नीचे प्रत्युत्तर नहीं दिए जाने की स्थिति में प्राधिकारी ने नियम 14 मुपरा के अनुसार उपलब्ध जानकारी के आधार पर निष्कर्ष निकाले प्राधिकारी ने इस बात को ध्यान में रखा कि निर्यातकों ने प्रवनावली को जबाब नहीं भेजा है और प्राधिकारी को सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी का सहारा लेना पड़ा।

विचाराधीन उत्पाद

9. एक्सीलोनाइडल बुटाडीन रबर (एनबीआर) एक सिंथेटिक रबड़ है, जिसका प्रयोग मुख्यतः विभिन्न रबड़ की वस्तुओं जैसे आयल सील्स, होमोज, आटोमोटिव उत्पाद, कास्केट, राइम डीहस्किंग रोल्स, प्रिंटर्स, फैब्रिक्स, आयल फील्ड उत्पाद आदि के विनिर्माण में किया जाता है। एन. बी. आर. भारतीय व्यापार वर्गीकरण (एकीकृत वस्तु विवरण तथा कोडिंग प्रणाली पर आधारित) की अनुसूची-1 सं. 4002-59-अन्य एक्सीलोनाइडल बुटाडीन रबड़ के सीमा शुल्क शीर्ष 4002-59 के अंतर्गत वर्गीकृत करने योग्य है।

10. प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि सभी नाइटाइल रबड़ एक्सीलोनाइडल और बुटाडीन के कोपोलीमर्स हैं तथा उन्हीं की तरह पेट्रोलियम रसायनों को प्रतिरोधक प्रदान करने का आम उद्देश्य पूरा करती हैं हालांकि उनकी अलग-अलग विशेषताएं एवं उपयोग है। इसके अतिरिक्त, एक्सीलोनीडाइल संघटकों में विविधता एक उस गुण को बढ़ाती है जिसके लिए एन. बी. आर. का प्रयोग किया जाता है। प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि विभिन्न ग्रेड के एन. बी. आर. के उत्पादन की विनिर्माण प्रक्रिया तथा आवश्यक उपस्कर और अन्य सुविधाएं एक जैसी हैं तथा विभिन्न ग्रेड के एन. बी. आर. का उत्पादन के लिए किसी खास उपस्कर की जरूरत नहीं होती है। प्राधिकारी ने यह नोट किया कि जापान से भिन्न चार मुख्य स्रोत अर्थात् जर्मनी, फ्रांस, कोरिया और यू.एस.ए. से आयातित उत्पाद की कुल मात्रा 1992-93 तथा 1993-94 के दौरान करीब-करीब बराबर रही जबकि इस अवधि के दौरान जापान से आयात 1863 एम. टी. से तेजी से बढ़कर 3807 एम. टी. हो गए। इस तथ्य से विभिन्न प्रयोक्ता अपनी जरूरत घरेलू या जापान में विदेशी उत्पादों से पूरी कर सकते हैं। स्पष्ट रूप से यह बात स्थापित होती है कि दोनों प्रतिस्थापन योग्य हैं। इसलिए, प्राधिकारी पुष्टि करता है कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित एन. बी.आर. तथा जापान से आयातित एन. बी. आर. दोनों नियमों के अर्थ के अंतर्गत "समान उत्पाद" हैं।

11. याचिकाकर्ता द्वारा आपूर्ति की गई एन. बी. आर. की घटिया क्वालिटी के बारे में कुछ आयातकों और उपयोगकर्ताओं ने प्राधिकारी को लिखा है। प्राधिकारी ने इसके लिए उन्हें पूरा मौका दिया कि वे याचिकाकर्ता के उत्पाद को घटिया क्वालिटी के बारे में प्रामाणिक दस्तावेजों और विश्वसनीय साक्ष्य के साथ अपने विचारों की पुष्टि

करें। दूसरी ओर याचिकाकर्ता ने अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं से जांच रिपोर्टें, उत्पाद की अच्छी गुणवत्ता के बारे में उपभोक्ताओं द्वारा उन्हें लिखे गए विभिन्न पत्रों की प्रतियां तथा माल की सप्लाई के लिए बार-बार दिए गए आदेशों की प्रतियां प्रस्तुत की हैं। लेकिन आयातक किसी प्रामाणिक प्रयोगशाला/स्रोत से दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सके। प्राधिकारी ने साक्ष्यों पर विचार किया तथा इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि घरेलू उत्पादों की घटिया क्वालिटी के बारे में आयातकों/उपयोगकर्ताओं के दावे साबित नहीं होते हैं।

घरेलू प्रस्थिति

12. यह याचिका मैसर्स गुजरात अपार पालीमर लिमि. मेकर चैम्बर्स 111, प्रथम तल जमनालाल बजाज रोड, नरीमन प्वाइंट बंबई-400021 के लिए तथा उनकी ओर से दाखिल की गयी है जिसका कारोबार गांव-धनगढ़ी, तहसील बलिया, जिला भरूच गुजरात में है तथा इसका पंजीकृत कार्यालय "डी" केबिन के सामने छत्ते रोड, धर्मसिंह देसाई मार्ग, बडोदरा-390002 पर है। मैसर्स सिन्थेटिक्स एण्ड कैमिकल्स लिमिटेड भी थोड़ी मात्रा में एन. बी. आर. का उत्पादन करता है। हालांकि याचिकाकर्ता भारत में एन जी आर के अधिकांश भाग का उत्पादन करता है और इसलिए, सीमा शुल्क टैरिफ शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क का डम्प की गई मदों पर अभिज्ञान, आंकलन एवं कर संग्रहण तथा क्षति निर्धारण नियम, 1985 के नियम (2) के अनुसार घरेलू उद्योग के अंतर्गत आता है।

सामान्य मूल्य

13. याचिकाकर्ता ने जापान स्थित भारतीय दूतावास से प्राप्त पत्र तथा जापान केमिकल वीक के अपने आवधिक व्लेडिन में प्रकाशित कीमतों के आधार पर जापान में एन. बी. आर. की घरेलू कीमतों के बारे में सूचना उपलब्ध करायी है। यद्यपि किसी भी याचिकाकर्ता ने इस उद्देश्य के लिए विनिर्धारित प्रणाली में सूचना नहीं दी है। मैसर्स जापान सिन्थेटिक रबड़ ने अपने भारतीय एजेंट मैसर्स बाम्बे केमिकल एण्ड रबड़ प्रोडक्ट्स लिमिटेड को अपने दिनांक 17-2-95 के पत्र के जरिए इस बात की पुष्टि की है कि जापान केमिकल वीक में प्रकाशित कीमतें उनके फुटकर ग्राहकों के लिए कीमतें हैं। इसके अलावा, निर्यातक ने भारत को निर्यात तथा स्वदेशी बाजार में बिक्री के स्तर में विभिन्न अन्तरों का भी विस्तृत रूप से सुपरा के पैरा चार में उल्लेख किया है।

14. प्राधिकारी ने निर्यातक के इस विचार को स्वीकार कर लिया कि जापान केमिकल वीक में प्रकाशित कीमतें फुटकर ग्राहकों के लिए कीमतें हैं तथा निर्यातक द्वारा अपने स्वदेशी बाजार में बिक्री तथा भारत को निर्यात के बीच व्यापार के स्तर में अन्तर है। यद्यपि निर्यातक में व्यापार

के स्तर में अन्तर को मौद्रिक रूप में व्यक्त नहीं किया है फिर भी कीमत पर व्यापार के स्तर में अन्तर के प्रभाव के बारे में उपलब्ध सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार सामान्य मूल्य निर्धारित करते समय उस पर विचार किया गया। इन समायोजनों को करने के बाद सामान्य कीमत 3677 अमरीकी डालर प्रति एम टी आंकी गई। प्राधिकारी ने सितम्बर 1993 के दौरान प्रचलित विनिमय दरों पर विचार किया है।

15. प्राधिकारी ने नोट किया है कि जापान एवं भारत की बाजार स्थितियों में कुछ अन्तर हो सकता है जैसा कि कुछ आयातकों ने बताया है।

प्राधिकारी ने जापान में घरेलू बाजार कीमत को उपलब्ध सर्वोत्तम जानकारी के आधार पर जापान में प्रचलित खास बाजार परिस्थितियों को ध्यान में रखकर समायोजित किया है।

निर्यात कीमत

16. निर्यात कीमत का निर्धारण, डी जी सी आई एण्ड एस कलकत्ता द्वारा संकलित सीमा शुल्क निकासी के उद्देश्य के लिए आयातक द्वारा बताई गई भारत औसत कीमत, जिसे विश्वमनीय माना गया, के आधार पर किया गया है। डी जी सी आई एण्ड एस के आंकड़ों में कोड नं. 4002.59 के अन्तर्गत उल्लिखित सी आई एफ निर्यात कीमत को एफ. ओ. बी. कीमत के आंकलन में लिए समुद्री भाड़ा हेतु समायोजित की गई है। एफ ओ बी निर्यात कीमत को सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर कार्य-ब्राह्म कीमत के रूप में माना गया है।

तुलना

17. सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के बीच ठीक तुलना करने के उद्देश्य से तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9(ए)(2) तथा नियम, 14 सुपरा के अनुसार अधिकारी ने याचिकाकर्ता और निर्यातकों में से एक अर्थात् मैसर्स जापान सिन्थेटिक रबड़, जापान द्वारा मैसर्स बाम्बे केमिकल एण्ड रबड़ प्रोडक्ट्स, बाम्बे के जरिए उपलब्ध करायी गयी जानकारी जो कि जापान के निर्यातकों को अपनी ओर से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए अनेक अवसर दिए जाने पर भी उससे निर्धारित तरीके और प्रपत्र में सीधा उत्तर नहीं मिलने की स्थिति में सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी है, पर ध्यान दिया गया; जांच अवधि के दौरान प्राप्त की गयी भारत औसत निर्यात कीमत भी तुलना सामान्य मूल्य से की गई है।

18. अधिकारी ने इस बात का उल्लेख किया है कि सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत जांच अवधि के दौरान ही पाटन का निर्णय करने के लिए प्रासंगिक हैं तथा इस उद्देश्य से भारत के लिए वर्तमान निर्यात कीमत या अंतर्राष्ट्रीय कीमतें अप्रासंगिक हैं।

क्षति

19. उपर्युक्त नियम 18 के तहत जब क्षति के बारे में कोई निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में उन तथ्यों की जांच शामिल होगी जिसे नामोनिद्विष्ट प्राधिकारी परिस्थितियों के अंतर्गत संगत समझता हो। उसमें डम्प किए गए आयात की मात्रा और सदृश्य उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में उनकी कीमतों पर पड़ने वाला प्रभाव और ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयात का परिणामी प्रभाव शामिल हैं। कीमतों पर डम्प किए गए आयातित माल के प्रभाव पर विचार करने में यह आवश्यक समझा जाता है कि इस बात की जांच की जाए कि क्या डम्प किए गए आयात से भारत में किसी सदृश्य उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में कोई अधिक गिरावट आई है, अथवा क्या कीमतों को किसी विशेष स्तर तक घटाने अथवा किसी विशेष स्तर तक कीमत वृद्धि, जो कि अन्यथा हुई होती, को रोकने के लिए ऐसे आयात का अन्यथा प्रभाव पड़ा।

20. भारत में उद्योग पर प्रभाव की जांच के लिए नामोनिद्विष्ट प्राधिकारी ने उन विषयों पर विचार किया व जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे उत्पादन प्रवृत्ति, क्षमता उपयोग, बिक्री, स्टॉक, लाभप्रदता और निवल बिक्री आय।

(क) पाटित आयात की मात्रा तथा बाजार हिस्सा

21. भारत ने एन बी आर का कुल आयात 1992-93 में 3109 एम. टी. से बढ़कर 1993-94 में 5533 एम टी हो गया जो कि करीब 78 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

*जापान से होने वाले आयातों में भी तीव्र वृद्धि हुई जो कि 1992-93 के 1863 एम टी से बढ़कर 1993-94 में 3807 एम टी हो गया जो कि पूर्ण रूप से 104% की

*प्राधिकारी ने नोट किया कि जर्सनी, फ्रांस, कोरिया और यू. एस. ए. जैसे 4 मुख्य गैर-जापानी स्रोतों से आयातित कुल मात्रा करीब-करीब लगातार रही है लेकिन 1993-94 में प्रतिशत के रूप में इनके हिस्से में गिरावट हुई है जो कि आयातों का सिर्फ 20% तथा कुल मांग का 14% है।

वृद्धि को दर्शाता है। इसके परिणामस्वरूप, कुल आयातों में जापान का हिस्सा 60 प्रतिशत (1992-93) से बढ़कर 68 प्रतिशत (1993-94) हो गया। यद्यपि, पिछले वर्ष की तुलना में 1993-94 में पूर्ण रूप से आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई लेकिन सी आई एफ आयात मूल्य 1992-93 के 37.92 प्रति किग्रा. से घटकर 1993-94 में 36.21 प्रति किग्रा. हो गया जिससे सीमाशुल्क (प्रतिकारी शुल्क पर विचार किए बिना) पर विचार करने के बाद भारत में जापानी एन. बी. आर. के उतारे जाने की कीमत में करीब 9 प्रतिशत की कमी हो गई।

22. भारत में एन. बी. आर. की कुल खपत में जापान के बाजार हिस्से में 11% की तीव्र वृद्धि हुई (1992-93 के 36% से 1993-94 में 47%) जबकि घरेलू उद्योग का हिस्सा तदनुसार अवधि के दौरान करीब-करीब उसी अनुपात में 37% से घटकर 28% हो गया।

(ख) उत्पादन का रुख तथा क्षमता उपयोग

23. याचिकाकर्ता के एन बी आर का उत्पादन (1992-93) में 2178 एम टी से बढ़कर (1993-94) में 2380 एम टी हो गया। तथापि, मई और जून, 1994 के दौरान उत्पादन काफी कम रहा। इसके अलावा सकल क्षमता उपयोग तब भी अधिकतम स्तर से नीचे रहा तथा याचिकाकर्ता को गैर-एन बी आर उत्पादों का उत्पादन (जिसके लिए ऐसे संयंत्र और प्रौद्योगिकी की जरूरत नहीं है जैसा कि एन बी आर के उत्पादन के लिए याचिकाकर्ता के पास उपलब्ध है) जांच अवधि के अन्त में करना पड़ा। ऐसा इस उद्देश्य से किया गया ताकि संयंत्र का उत्पादन चलता रहे, क्षमता उपयोग में वृद्धि हो तथा और बड़े उत्पादन के लिए निश्चित ऊपरी खर्च उसमें आत्मसात हो जाए।

(ग) सम्पूर्ण मात्रा की बिक्री

24. यद्यपि सम्पूर्ण रूप से भारत में घरेलू उद्योग की बिक्री 1992-93 में 1916 एम टी से बढ़कर 1993-94 में 2271 एम टी हो गई तब भी याचिकाकर्ता की क्षमता तथा भारतीय बाजार के आकार को देखते हुए यह अब भी कम है। सकल रूप में बिक्री में वृद्धि के बावजूद याचिकाकर्ता ने पिछली अवधि की तुलना में 1993-94 में करीब 9 प्रतिशत बाजार खोया।

(घ) बिक्री मूल्य का रख

25. एन बी आर की बिक्री से याचिकाकर्ता को हुई औसत प्राप्ति 61793 पी एम टी (1992-93) से तेजी से घटकर 1993-94 में 58592 पी एम टी हो गई। सीमा-शुल्क में कमी के साथ साथ पिछले वर्ष की तुलना में 93-94 में जापान से आयात मूल्यों में गिरावट ने याचिकाकर्ता को बिक्री मूल्यों को अलाभप्रद स्तर तक कम करने पर मजबूर किया जो कि उत्पादन लागत से काफी कम था।

(ङ) स्टॉक का रख

26. घरेलू उद्योग के साथ तैयार उत्पाद का स्टॉक 31-3-92 के 431 एम टी से बढ़कर 31-3-94 को 546 एम टी हो गया। दिनांक 31-3-94 का स्टॉक करीब-करीब तीन महीनों की स्टॉक बिक्री के बराबर है।

(च) लाभप्रदता का रख

27. उत्पादन लागत से कम मूल्यों पर एन बी आर की बिक्री से याचिकाकर्ता को निवल हानि हो रही है।

(छ) क्षति के बारे में निष्कर्ष

28. (i) पिछली अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान जापान से सकल रूप में आयात में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई।

(ii) पिछली अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारत के कुल आयातों में जापान से होने वाले आयात में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई।

(iii) देश की कुल मांग में जापान के बाजार हिस्से में करीब 11% की तीव्र वृद्धि हुई।

(iv) जापान द्वारा आयात मूल्यों में कमी तथा भारत सरकार द्वारा अतिरिक्त सीमाशुल्क में कमी के परिणामस्वरूप जापान से आयात मूल्य (सीमा-शुल्क पर विचार करने के बाद लेकिन प्रतिकारी शुल्क पर विचार करने से पहले) में करीब 9 प्रतिशत की कमी हुई।

(v) जापान से निर्यात के परिणामस्वरूप मूल्य में कमी हुई तथा इससे घरेलू उद्योग को अपने मूल्यों को अलाभप्रद स्तर तक कम करना पड़ा।

(vi) घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न संकेतक जैसे—उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्राएं, औसत बिक्री, अधिप्राप्ति लाभ/हानि इत्यादि से यह प्रमाणित होता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक हानि हुई है।

29. इस प्रकार नामोद्दिष्ट प्राधिकारी इस अपरिहार्य निष्कर्ष पर पहुंचा कि घरेलू उद्योग को वास्तविक हानि हुई है।

कारण संबंधी सम्पर्क

30. क्या डम्प किए गए आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक हानि हुई यह निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी ने निम्नांकित तथ्यों पर ध्यान दिया :

(i) जापान से उत्पादों के आयातों में समग्र रूप से तथा भारत में इस उत्पाद की खपत के सम्बंध में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। कुल आयातों के जापान के हिस्से में भी महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। इसके सीधे परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में महत्वपूर्ण रूप से क्षति हुई है।

(ii) जापान से आयातों के पहले से कम मूल्य (सीमा-शुल्क पर विचार करने के बाद) एवं पहले से ज्यादा मात्रा ने मिलकर घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमत को अलाभ-प्रद स्तर पर करने की मजबूर किया तथा अपनी क्षमता का अधिकतम स्तर तक उपयोग करने में रूकावट डाली।

(iii) जापान से होने वाले आयातों ने घरेलू उद्योग के मूल्यों को इस स्तर तक कम कर दिया कि घरेलू उद्योग को उत्पादन की अपनी पूरी कीमत प्राप्त करने तथा भारत में एन.बी.आर. की बिक्री से यथोचित मुनाफा कमाने से वंचित होना पड़ा।

भारतीय उद्योग के हित

31. पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य यह है कि सामान्य-तौर पर ऐसे पाटन को समाप्त किया जा सके जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में पुनः खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति लाई जा सके जो कि देश के सामान्य हित में है।

32. प्राधिकारी ने माना कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से एन.बी.आर. के उपयोग से विनिर्मित और उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप निर्यात बाजार में उनके उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय

बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं हो जाएगी। विशेष कर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क की लेवी नुकसान को कम करने की आवश्यकता राशि तक ही सीमित कर दी जाए। इसके विपरीत डम्पिंग द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त करने का उद्देश्य यह है कि भारतीय उद्योग के ह्रास को रोका जाए और इस प्रकार एन.बी.आर. उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहे।

33. प्राधिकारी इस बात का अनुमोदन करता है कि इसने क्षमता उपयोग के प्राप्त होने योग्य स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके तथा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक हव तक घरेलू उद्योग के लिए भारत में एन.बी.आर. का उचित बिक्री मूल्य तैयार किया है।

34. याचिकाकर्ता को हुई क्षति की पूरी मात्रा को समाप्त करने के लिए आवश्यक प्रतिपाटन शुल्क की राशि का मुआव देते वक्त प्राधिकारी ने पाटन के अतिरिक्त अन्य कारकों पर विचार नहीं किया जिनसे याचिकाकर्ता को क्षति हो रही है।

35. घरेलू उद्योग के लिए उत्पादन लागत तथा एन. बी.आर. के बिक्री मूल्य की उचित कीमत का निर्धारण करते वक्त प्राधिकारी ने मूल कच्चे माल अर्थात् एसोइलो-नाइट्राइस तथा बूटाडीन की तुलना में एन.बी.आर. पर सीमाशुल्क में कमी के प्रभाव पर विचार किया।

36. यह स्पष्ट किया जाता है कि याचिकाकर्ता की संस्थापित क्षमता 6250 एम.टी. है।

37. प्राधिकारी ने इस बात पर ध्यान दिया कि भारत में एन.बी.आर. की मांग देश में उपलब्ध क्षमताओं से काफी ज्यादा है। तथापि, जापान से होने वाले आयातों पर प्रतिपाटन शुल्क लगाए जाने से देश में एन.बी.आर. की उपलब्धता पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि अधिकांश मांग अभी भी विभिन्न देशों से आयातों के द्वारा पूरी की जाती है। इसके अलावा जापान से आने वाले आयातों पर प्रतिपाटन शुल्क लगाए जाने से सिर्फ घरेलू बाजार प्रतिस्पर्धी होगा तथा डम्प किए गए उत्पादों का अनुचित लाभ समाप्त होगा। जैसा कि ऊपर के पैरा विस्तृत रूप से बताया गया है।

परिणाम :

38. तदनुसार प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि :

- (i) जापान से निर्यातकों ने भारत में एन.बी.आर. सामान्य मूल्य से कम कीमत पर बेचा है;
- (ii) भारतीय उद्योग को वास्तविक नुकसान उठाना पड़ा है; और
- (iii) भारतीय उद्योग को हुई क्षति आयात की वजह से हुई है।

39. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति से बचाने के लिए प्राधिकारी के विचार से जापान से आने वाले एन. बी.आर. के आयातों पर निश्चित अन्तिम पाटन रोधी शुल्क लगाना आवश्यक है। इस मामले में नामोहिष्ट, प्राधिकारी निर्यात कीमत, सामान्य मूल्य तथा डम्पिंग का मार्जिन निम्नवत निर्धारित किया है :

	अमरीकन डालर/एमटी	रुपये/ एम टी
सामान्य मूल्य	3,677	116,009
निर्यात कीमत (एफ.ओ.बी.)	1,058	33,380
डम्पिंग का मार्जिन	2,619	82,629

40. नामोहिष्ट प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया कि क्या डम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाना, क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा। इस उद्देश्य के लिए जापान से आयातों की औसत उतराई कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान उत्पादित एन.बी.आर. उचित बिक्री कीमत से की गई। यह अन्तर डम्पिंग मार्जिन से कम था लेकिन जापान से निर्यात द्वारा सीधी हानि की मात्रा को समाप्त करने के लिए पर्याप्त था, और तदनुसार नामोहिष्ट प्राधिकारी ने विचार किया कि जापान गणराज्य में उत्पादित एन.बी.आर. के आयात पर 19306 रु. (उन्नीस हजार तीन सौ छह रुपये) प्रति मीट्रिक टन पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाए। यह मद्द सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 40 के अन्तर्गत आती है।

टी.एस. विजयरघवन, नामोहिष्ट प्राधिकारी

तथा अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th October, 1995

Subject.—Anti-dumping investigation concerning imports of Acrylonitrile Butadiene Rubber (NBR) originating from Japan—
Final Findings.

No. 25/ADD/94.—The Government of India having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1982 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1985, thereof.

PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed:

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s. Gujarat Apar Polymers Ltd., Maker Chambers III, 1st Floor, Jamnalal Bajaj Road, Nariman Point, Bombay-400 021, alleging dumping of Acrylonitrile Butadiene Rubber (hereinafter referred to NBR) originating from Japan.
- (ii) The Authority issued a Public Notice dated 28.10.1994 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping proceedings concerning imports of NBR classified under heading 4002.59 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 and No. 4002.59.00 under Indian Trade Classification (Based on Harmonised Commodity Description and Coding System) originating from Japan.
- (iii) The Authority officially informed the exporters and importers known to be concerned, the representatives of the exporting country and the complainant about the said initiation and gave them an opportunity to make their views known in writing and to request an oral hearing, within 40 days from the date of notification.
- (iv) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information to the following exporters:
 1. M/s. Japan Synthetic Rubber Co., Japan.
 2. M/s. Nippon Zeon Co. Ltd., Japan.
- (v) The embassy of Japan in New Delhi was also informed on 28th Oct., 1994 about the initiation of investigation and was requested to advise the exporters/producers from Japan to respond to the questionnaire within prescribed time.
- (vi) The embassy of Japan in New Delhi desired names and addresses of the exporters from Japan, which was also informed to them on 10.11.1994.
- (vii) The questionnaire was also sent to the following importers of NBR:—
 1. M/s. Mitsui & Co. Ltd, Bombay.
 2. M/s. Mitsubishi Corporation, Bombay.
- (viii) An opportunity was also given to exporters, importers, petitioners, and other interested parties to express their views in a public hearing held on 3rd Feb., 1995. The said Public hearing was attended by the representatives of the petitioner domestic industry viz. M/s. Gujarat Apar Polymers Ltd., M/s. Mitsubishi Corpn., Bombay. M/s. Bombay Chemicals & Rubber Products Ltd. also attended the hearing on behalf of the exporter, M/s. Japan Synthetic Rubber, Japan. The following interested parties also attended the public hearing:
 1. All India Rubber Manufacturers Association, Delhi;
 2. M/s. Golden Rolls Pvt. Ltd., New Delhi;
 3. M/s. Polyplas Associates;
 4. M/s. Sharp International;
 5. M/s. PE International;
 6. M/s. FOCL
 7. M/s. Sujan Group of Industries;
 8. M/s. Kashmir Rubber Mills;
 9. M/s. Poly Rob Extrusion, Bombay;
 10. M/s. Carrosion Engg.;
 11. M/s. Rishi Roll Polymers Pvt. Ltd.,
 12. M/s. Kasturi International;

- (ix) All the parties who attended the said public hearing were advised to make the submissions made in the public hearing in writing for obtaining counter comments from the other party to the investigation and the written submission made by the parties were made available to the other party (ies) for their counter comments.
- (x) Another opportunity to exporters, importers, other interested parties and petitioners to express their views was given in the second public hearing held on 12.6.1995 by the new Authority. The public hearing was attended by the petitioner and the followings:—
1. M/s. Golden Rolls Pvt. Ltd., Delhi;
 2. M/s. Bombay Chemicals & Rubber Products Ltd., Bombay;
 3. M/s. Ali India Rubber Manufacturers Association, Delhi;
 4. M/s. Mitsubishi Corporation;
 5. M/s. Sharp International;
 6. M/s. PE International;
 7. M/s. FOCL.
- (xi) All the parties who attended the said public hearing were advised to make the submissions made in the public hearing in writing for obtaining counter comments from the other party to the investigation and the written submissions made by the parties were made available to other party for their comments.
- (xii) The Authority sought and verified information deemed necessary for the investigation, and to this end investigations were carried out at the premises of M/s. Gujarat Apar Polymers Ltd. also.
- (xiii) The Authority also conducted cost investigation and worked out optimum Cost of Production and Cost to make and Sell in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles so as to ascertain as to whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be enough to remove the injury.
- (xiv) The investigations covered the period from 1st April, 1993 to 31st March, 1994.
- (xv) The Authority has conducted the investigations under the Rules *supra*, and not under the new Rules. The Rules becoming effective from 1.01.1995 have no bearing on these investigations. The Authority obtained legal opinion also on this issue.

PETITIONER'S VIEWS

3. The petitioner reproduced the gist of its complaint, and made the following submissions in the oral hearings;
- (a) As NBR produced by the petitioner gained acceptance in the market, the Japanese manufacturers began dumping NBR in India at prices significantly lower than the domestic prices in Japan;
 - (b) Due to dumping of NBR by Japanese manufacturers, the petitioner has been significantly injured resulted in under-utilization of existing capacity and incurring of losses;
 - (c) The petitioner follows quality control systems and procedures of international standard, has well qualified and experienced technical personnel, got repeat orders from the same clients, its NBR exports are picking up, and the Nation's interest at large would be served if the domestic NBR manufacturer exists;
 - (d) The petitioner has submitted comments also on the views expressed by various parties to the investigation, which have also been considered by the Authority while notifying these findings.

EXPORTER'S VIEW

4. The two exporters from Japan not responded in the prescribed questionnaire sent by the Authority while notifying the initiation. However, both the exporters expressed their views vide their letters dated 14.12.1994 as follows:
- (a) The prices offered by them to India are same as that of their standard NBR prices offered to other countries;
 - (b) NBR export prices are being changed from time to time, depending upon Acrylonitrile monomer price, Butadiene monomer price, Exchange rates, Ocean freight, Market prices in the world and so on;
 - (c) Other suppliers had offered much lower prices to Indian market during the period;
 - (d) The exporters heard that customers in India preferred their materials due to quality reason;
 - (e) Some users in India would be troubled, unless the material from Japan is available;
 - (f) The petitioner is a monopoly;

5. One of the exporters, i.e. Japan Synthetic Rubber Company, Japan has vide its letter dated 17-02-1995 addressed to M/s. Bombay Chemicals & Rubber Products Ltd., Bombay (hereinafter referred to as M/s. Bombay Chemical), and annexed by M/s. Bombay Chemical in its submissions to the Authority also stated that:

- (a) The domestic price which the petitioner has furnished in their evidence of dumping is based on data from "The Chemical Daily", which are for their small customers;
- (b) In case of sale in the domestic market, the exporter has to deliver the material at any time even if the order is for small quantity, have to frequently visit them, send their technical staff, and do Research & Development in the laboratory, and develop special grades of NBR for each customer;
Moreover, the sales in the domestic market in Japan are through several agents which is a more costly sales system. The exporter has further submitted that sales price for domestic market should cover the above expenses.
- (c) The business style in case of exports, is very simple and with good efficiency. The expenses involved on visits, technical fee etc. are much less in case of exports.

VIEWS OF IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

6. Importers and various other interested parties have expressed their views, which are briefly as follows:

- (a) The investigations should be carried out in accordance with the Government of India's Rules published under the Notification No. 2/95 Cus. (N.T.). There is no legal authority to continue application of the superseded provisions of law and continue the investigation under the superseded Rules;

The Government of Japan has not been notified PRIOR to initiating the investigations as required under the new Rules.

- (b) NBR manufactured by the petitioner can neither be held to be equivalent to NBR exported from Japan, nor the same can be held to fall into the category of 'like article';
- (c) The consulate letter dated 06--9-1993 nowhere provides any basis that the prices in Japan are in the range of USD 3000 to USD 4000 per MT.
- (d) The petitioner has applied the exchange rate prevalent in Sept., 1994 instead of that as being prevalent in Sept., 1993;
- (e) The Japanese export price are alike for other countries;
- (f) Peculiar domestic market conditions, such as high cost of living, costlier services, marketing pattern, special packing, special formulation, extending long credit, etc. are prevalent in Japan;
- (g) Total exports of NBR from Japan in the recent years has not increased appreciably;
- (h) NBR from Japan is of the most superior quality;
- (i) The imported NBR's current landed cost works out to Rs. 111 per kg. to consumers, which is costlier than the petitioner's selling price of Rs. 96 per kg.;
- (j) The petitioner received the imported raw materials at concessional rates, as the same attracts duty of 15 per cent, as against 65% being payable on imported NBR;
- (k) The petitioner has failed to establish injury. The real injury to the petitioner if at all, is due to reduction in the Customs duties;
- (l) Substantial imports being under DEEC scheme, it is not understood how injury has been caused to the petitioner;
- (m) The petitioner has to blame itself for having high overhead cost, inapt size of its plant; poor selection and quality of products for manufacture, R & D facility, location, attending to customer grievances and earnestness to maintain the quality and its costing structure generally.
- (n) The petitioner's capacity utilisation is nearly 50%, capacity and production being 5000 & 2500 MT respectively;
- (o) The petitioner will not be able to meet the demand of the entire consumer industry, which is at 10,000 MT;
- (p) The present CIF prices are much higher;

(q) It is unfair and unreasonable, considering overall quantum of export from Japan and quantum available for exports after meeting the domestic requirement of 60%, to conclude that there is likely to be any sudden change in the quantum of imports from Japan which would cause any imminent injury;

(r) The quality of the petitioner's NBR is poor;

EXAMINATION BY AUTHORITY

7. The above submissions made by the exporter directly as also through their agent in India, by the importers, petitioner and other interested parties have been examined and considered while arriving at these findings and have been dealt with at appropriate places in these findings.

8. The Authority confirms in the absence of any direct response from the exporters in the prescribed format, the Authority has made the findings on the basis of the information available to it as per Rule 14 supra. The Authority notes that the exporters have not responded to the questionnaire and the Authority had to resort to the principle of best information available.

PRODUCT UNDER CONSIDERATION

9. Acrylonitrile Butadiene Rubber (NBR) is a synthetic rubber, mainly used for manufacturing various rubber articles, such as Oil Seals, Hoses, Automotive products, Gaskets, Rice Dehusking Rolls, Printers fabrics, Oil field products etc. NBR is classifiable under custom heading 4002-59 of Schedule I of Indian Trade Classification (Based on Harmonised Commodity Description and Coding System) No. 4002. 59—Other Acrylonitrile Butadiene Rubber.

10. The Authority finds that all nitrile rubbers are copolymers of acrylonitrile and butadiene and serve the same general purpose of providing resistance to petroleum chemicals, though the same have different specific end applications. Further, variations in acrylonitrile content merely enhances one of the general property for which NBR is used. The Authority finds that the manufacturing process, equipments, and other facilities needed for producing different grades of NBR are common, and does not involve any special equipment to produce different grades of NBR. The Authority noted that the total quantity of the product imported from four major non-Japanese sources viz. Germany, France, Korea and USA was almost constant during 1992-93 and 1993-94 whereas imports from Japan have steeply increased from 1863 MT to 3807 MT during the period. The fact, therefore, that various users could switch their requirements between domestic and overseas product from Japan clearly establish that the two are substitutable. Ministry of Chemicals and Fertilizers, Department of Chemicals and petrochemicals has also opined that the product/grades imported are "like product" as manufactured domestically. The Authority, therefore, confirms that NBR produced by the petitioner and that imported from Japan are 'like product' within the meaning of the Rules.

11. Some of the importers and users have written to the Authority about poor quality of NBR supplied by the petitioner. The Authority gave adequate opportunity to them to support their contention about poor quality of the petitioner's product with authentic documentary and reliable evidence. On the other hand petitioner has been able to submit test reports from international/national laboratories, alongwith copies of the various letters written to them about good quality of the product and repeat orders from the consumer, the importers have failed to submit documentary evidence from any authentic laboratory/source. The Authority, considered the evidences and came to the conclusion that the contentions of the importers/users about the poor quality of the domestic products is not proved.

DOMESTIC STATUS

12. The petition has been filed for and on behalf of M/s Gujarat Apar Polymer Ltd., Maker Chambers III, 1st Floor, Jamnalal Bajaj Road, Nariman Point, Bombay-400 021 having its works at Village Dungari, Tal. Valia, Distt. Bharuch, Gujarat and registered office at Opp. 'D' Cabin, Chhani Road, Dharmsinh Desai Marg, Vadodara-390 002. M/s. Synthetic & Chemicals Ltd. also Produces NBR in small quantity. However, the petitioner accounts for a majority of production of NBR in India and hence, satisfies the domestic industry status in accordance with Rule 2(c) of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1985.

NORMAL VALUE

13. The petitioner has provided information on domestic prices of NBR in Japan based on a letter from the Indian Embassy in Japan and prices published by Japan Chemical Week in their periodic bulletin. Though none of the exporters have furnished information in the questionnaire prescribed for the purpose, M/s. Japan Synthetic Rubber has confirmed to their Indian agent, i.e., M/s. Bombay Chemicals & Rubber Products Ltd., vide letter dated 17-02-1995 that the prices published in the Japan Chemical Week are their price of retail customers. The exporter has further explained various differences in the level of trade between exports to India and sales in the domestic market, as detailed in Para 4 supra.

14. The authority accepts the contention of the exporter that the prices in the Japan Chemical Week are the prices to retail customer, and there are differences in the levels of trade between sales by the exporter in their domestic market and exports to India. Though the exporter has not quantified the differences in the level of trade in monetary terms, yet the same have been considered in determining Normal Value as per the best available information about the impact of the differences in the level of trade on prices. The Normal value after making these adjustments has been considered at USD 3677 per MT. The Authority has considered exchange rates applicable during Sept. 1993.

15. The Authority notes that there could be differences in the market situations, as prevalent in Japan and India, as contended by some importers. Though these peculiar market conditions or their impact have not been substantiated with sufficient evidence, the Authority has adjusted the domestic market price in Japan, as per the best information available to account for the peculiar market situation prevailing in Japan.

EXPORT PRICE

16. The export price has been determined on the basis of the weighted average price reported by the importers for the purpose of Custom clearances, as compiled by DGCIS, Calcuta, which has been found reliable. The CIF export price, as appearing in DGCIS Statistics under Code No. 4002.59, have been adjusted for ocean freight for working out the F.O.B. price. The FOB export price has been treated as ex-works price based on the best information available.

COMPARISON

17. For the purpose of a fair comparison between the normal value and export price and in accordance with Section 9(A) (2) of the Customs Tariff Act, 1975 and Rule 14 supra, the Authority took into account the information supplied by the petitioner and one of the exporters, i.e. M/s. Japan Synthetic Rubber, Japan through M/s. Bombay Chemicals & Rubber Products, Bombay and the best available information with it in the absence of any direct response in the prescribed manner and proforma from the exporters in Japan, who were given ample opportunity to make available the relevant information from their end. The weighted average export price obtained during the period of investigation has been compared with the Normal Value.

18. The Authority notes that the Normal Value and Export Price during the investigation period only are relevant for deciding dumping, and the current Export Price to India or international prices are not relevant for the purpose.

INJURY

19. Under Rule 18 supra, when a finding of injury is arrived at, "such finding shall involve an examination of facts which the Designated Authority considered relevant under the circumstances including the volume of dumped imports and their effect on price in the domestic market for like products and the consequent impact of such imports on domestic producers of such products". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the defect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

20. For the examination of the impact on the industry in India, the Authority considered such further indices having a bearing on the state of industry as production, capacity utilization, sales, stock, profitability and net sales realisation.

(a) Volume and Market Share of Dumped Import.

21. Total imports of NBR in India increased from 3109 MT in 1992-93 to 5633 MT in 1993-94, showing an increase of approx. 81 percent. The Authority noted that total quantity imported from 4 major non-Japanese sources viz. Germany, France, Korea and USA is almost constant but the percentage share of these has significantly dropped in 1993-94 to a mere 20% of the imports and to 14% of the total demand. But imports from Japan have increased steeply from 1863 MT in 1992-93 to 3807 MT in 1993-94, showing an increase of 104% in absolute terms. The share of Japan in the total imports, as a consequence, increased from 60 percent (92-93) to 68 percent (93-94). While the imports in absolute terms increased significantly in 93-94 as compared to the previous period, the CIF import price declined from 37.92 per kg. in 92-93 to 36.21 in 93-94, which resulted in a decline of approx. 9 percent the landed prices of Japanese NBR in India after considering custom duty (but without considering Additional Duty of Customs).

22. Market share of Japan in the total consumption of NBR in India also rose sharply by 11% (from 36% in 92-93 to 47% in 93-94), whereas the share of the domestic industry fell by almost same proportion from 37% to 28% during the corresponding period.

(b) Production Trend and Capacity Utilisation

23. Production of NBR of the petitioner increased from 2178 MT (92-93) to 2380 MT (93-94). However, production during May and June 1994 remained very low. Further, the overall capacity utilisation was still far below optimum level, and the

petitioner had to resort to production of non-NBR products (which otherwise does not require such plant & technology as are available with the petitioner for producing NBR) at the fag end of the investigation period in order to keep the plant running, improve capacity utilisation, and absorb fixed overhead expenditures on larger production.

(c) Sales in absolute quantity:

24. Though sales of the domestic industry in absolute terms in India increased from 1916 MT in 92-93 to 2271 MT in 93-94, yet the same are still low, considering the capacity of the petitioner and the size of the Indian market. The petitioner has lost approx. 9 per cent market in 1993-94 as compared to the previous period, in spite of increase of sales in absolute terms.

(d) Selling Price Trend:

25. Average realisation from sales of NBR (exclusive of central excise duty) to the petitioner declined sharply from Rs. 61793 PMT (1992-93) to Rs. 58592 PMT in 1993-94. The reduction in custom duty coupled with decline in import prices from Japan in 93-94 as compared to the previous period forced the petitioner to reduce its selling prices significantly to unremunerative levels, much below its cost of production.

(e) Stock Trend:

26. Stock of the finished product with the domestic industry increased from 431 MT as on 31.3.92 to 546 MT as on 31.3.94. The stock as on 31.3.94 represents approx. three months sales in stock.

(f) Profitability Trend :

27. The petitioner is suffering net losses from the sale of NBR at prices much below its cost of production.

(g) Conclusion on Injury;

28. The Authority find that:

- (i) The imports in absolute terms from Japan increased significantly during the investigation period as compared to the previous period.
 - (ii) The share of Japan in the total imports in India increased significantly during the investigation period as compared to the previous period.
 - (iii) The market share of Japan in the total demand of the country increased sharply by approx. 11%.
 - (iv) As a consequence of reduction in import prices by Japan and reduction in custom duty by the Government of India, the import value from Japan (after considering custom duty but before considering Additional Custom duty) declined by approx. nine per cent.
 - (v) The exports from Japan resulted in price undercutting and forced the domestic industry to reduce its prices to unremunerative levels.
 - (vi) The various indicators relating to domestic industry such as Production, Capacity Utilisation, Sales Quantities, Average Sales Realisation, Profit/Loss, etc. establish that the domestic industry has suffered material injury.
29. The Designated Authority is, thus, led to the inescapable conclusion that the domestic industry has suffered material injury.

CAUSAL LINK

30. In determining whether material injury to the domestic industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts;

- (i) The imports of the product from Japan increased significantly in absolute terms and relative to the consumption of the product in India. The share of Japan in the total imports also increased significantly. As a direct consequence, the domestic industry has lost its market share to a significant level;
- (ii) The lower value of the imports from Japan (after considering custom duty) coupled with higher volumes forced the domestic industry to reduce its selling prices to unremunerative level and restricted it from utilising its capacity to the optimum level.
- (iii) The imports from Japan suppressed the prices of the domestic industry to such an extent that the domestic industry was prevented from recovering its full cost of production and earn a reasonable profit from the sales of NBR in India.

- (iv) The inventory of the petitioner has increased despite a decrease in the average sales realisation;
- (v) With near consistency in imports in absolute terms from the four major non-Japanese sources despite an appreciable increase in demand for NBR, (the increased demand for NBR is being met by domestic production and increased imports from Japan), a steep increase in supply from Japan is attributable only to the lower landed cost arising from dumping which has been injurious to the domestic industry.

INDIAN INDUSTRY'S INTEREST

31. The purpose of anti-dumping duties is in general to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish the situation of open and fair competition on the Indian market which is in the general interest of the country.

32. The Authority recognised that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using NBR and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures particularly if the levy of the anti-dumping duty is limited to the amount necessary to redress the injury to the domestic industry, and on the contrary would remove the unfair advantages gained by the dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of NBR.

33. The Authority confirms that it has worked out reasonable Selling Price of NBR in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at attainable level of Capacity Utilisation, to ascertain the extent of Anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry.

34. Injury being caused to the petitioner from factors other than dumping have not been considered by the Authority while recommending the amount of Anti-Dumping Duty necessary to remove the full extent of injury to the petitioner.

35. The impact of reduction in custom duty on basic raw materials, i.e. Acrylonitrile and Butadiene vis-a-vis NBR has been considered by the Authority while working out Cost of Production and reasonable Selling Price of NBR for the domestic industry.

36. It is clarified that the installed capacity of the petitioner is 6250 MT.

37. The Authority notes that demand of NBR in India is much higher than the capacities available within the country. However, the imposition of Anti-Dumping Duty on imports originating from Japan will not adversely affect the availability of NBR in the country, as even at present the majority of the demand is being met through imports from various countries. Further, the imposition of Anti-Dumping Duty on imports originating from Japan will only make the domestic market competitive and remove the unfair advantages enjoyed by dumped products.

FINDINGS

38. The Authority, accordingly, has come to the conclusion that :

- (i) exporters from the Japan have sold NBR in India below its normal value;
- (ii) the Indian industry has suffered material injury;
- (iii) the injury has been caused by the imports from Japan.

39. The Authority considers it necessary to impose a definitive anti-dumping duty on imports of NBR originating from Japan in order to remove the material injury to the domestic industry. The export price, normal value and the margin of dumping in this case were determined by the Designated Authority as :

	USD/MT	Rs./MT.
Normal Value.....	3677	116,009
Export Price (fob).....	1058	33,380
Margin of Dumping.....	2619	82,629

40. The Authority considered whether a duty lower than the dumping margin would be enough to remove the injury. The weighted average landed price of the Japanese imports, for the purpose, was compared with the fair selling price of NBR produced by the domestic industry, determined at an optimum level of capacity utilisation, for the period of investigation. The difference was less than the dumping margin and accordingly the Authority recommends that an anti-dumping duty of

2508 61/95 - 5

Rs. 19,306 (Rs. Nineteen Thousands Three Hundred and Six) PMT, which is less than dumping margin, but sufficient to remove the extent of injury to the domestic industry caused directly by exports from Japan be imposed on all the imports of NBR originating from Japan falling under Chapter 40 of the Customs Tariff.

T.S. VIJAYARAGHAWAN, Designated Authority and Addl. Secy.